



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 आषाढ़ 1940 (श०)

(सं० पटना 638) पटना, बुधवार, 4 जुलाई 2018

सं० ए/विविध(53)—18/2012—6062  
गृह विभाग  
(विशेष शाखा)

संकल्प  
2 जुलाई 2018

**विषय:—** संकल्प ज्ञापांक 10228 दिनांक 28.11.2017 द्वारा प्रवृत्त वामपंथी उग्रवादियों के समर्पण सह-पुनर्वासन (Surrender-cum-Rehabilitation) से संबंधित नीति की कंडिका-5 में अंकित देय वित्तीय लाभ के पुनः निर्धारण के संबंध में।

राज्य में वामपंथी उग्रवादियों के समर्पण-सह-पुनर्वासन हेतु विभागीय संकल्प ज्ञापांक-10228 दिनांक 28.11.2017 के द्वारा नीति निर्धारित की गयी हैं। यह नीति दिनांक-01.04.2016 के प्रभाव से लागू है।

2. उक्त संकल्प की कंडिका-10 (ग) में यह उल्लेख है कि वामपंथी उग्रवादियों के आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वासन हेतु भारत सरकार द्वारा यदि कोई नई नीति विहित की जाती है अथवा पूर्व में प्रवृत्त योजना की अंतिम निर्धारित तिथि (दिनांक 31.03.2016) के पश्चात विस्तारित किया जाता है तो इसके प्रभावी/विस्तारित होने की तिथि से राज्य सरकार द्वारा लागू इस नीति में व्यय की गयी राशि की प्रतिपूर्ति भारत सरकार से करायी जा सकेगी एवं आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादियों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित नीति के अन्तर्गत लाभ देय होगा एवं पुनर्वासन की मदवार दर केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित राशि अथवा इस संकल्प की कंडिका-5 में निर्धारित दर, दोनों में जो अधिक हो, होगी।

3. चूंकि गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सुरक्षा संबंधी व्यय योजना (एस0आर0ई0) को वित्तीय वर्ष 2017-18 एवं आगे के दो वर्षों के लिए जारी रखा गया है। साथ ही सुरक्षा संबंधी व्यय योजना की नई मार्गदर्शिका की कंडिका-3 मद संख्या-9, जो वामपंथी उग्रवादियों के आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वासन नीति से संबंधित है, में उल्लेख है कि (क) उच्च स्तर के वामपंथी उग्रवादियों के पुनर्वास पर 5.00 लाख रुपया (ख) मध्यम्/निम्न स्तर के उग्रवादियों को 2.50 लाख रुपया तथा (ग) व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए अधिकतम 36 माह तक प्रत्येक को 6,000 हजार रुपया मासिक भत्ता देने में व्यय की गयी राशि का 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

उक्त के आलोक में वामपंथी उग्रवादियों के समर्पण-सह-पुनर्वासन से संबंधित विभागीय संकल्प ज्ञापांक-10228 दिनांक 28.11.2017 की कंडिका-5 (i) एवं (iii) निम्न प्रकार से संशोधित किए जाते हैं :-

- 5 (i) उच्च स्तरीय वामपंथी उग्रवादियों जैसे— (क) राज्य समिति के सदस्य, (ख) क्षेत्रीय समिति के सदस्य, (ग) केन्द्रीय समिति के सदस्य, (घ) पोलित ब्यूरो के सदस्य के समर्पण करने पर तात्कालिक सहायता के रूप में ₹ 5.00 (पांच लाख मात्र) एवं मध्यम/निम्नस्तरीय वामपंथी उग्रवादियों जैसे— (क) एरिया कमान्डर, (ख) उपक्षेत्रीय कमान्डर, (ग) क्षेत्रीय कमान्डर, (घ) जाँच-सह-पुनर्वासन समिति द्वारा इंगित अन्य हार्डकोर वामपंथी उग्रवादी को ₹ 2.50 (दो लाख पचास हजार) देय होगी। इस राशि को आत्मसमर्पित व्यक्ति के नाम से सावधि जमा के रूप में बैंक में रखा जाएगा जो आत्मसमर्पण करने की तिथि से 3 (तीन) साल पूरा करने पर उन्हें भुगतेय होगा, बशर्ते उसके अच्छे व्यवहार के लिए पुलिस महानिदेशक द्वारा राज्य सरकार से अनुशंसा की गयी हो।
- 5 (iii) इस योजना के अंतर्गत पात्रता रखनेवाले को उसकी रुचि के अनुसार रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्हें अधिकतम 36 माह तक ₹ 6,000 (छः हजार मात्र) प्रति माह भत्ता देय होगा। यदि आत्मसमर्पित को कोई सरकारी नौकरी प्राप्त हो जाती है तो उसका प्रतिमाह देय भत्ता बंद कर दिया जाएगा।
4. उपरोक्त कंडिका-3 के अनुरूप प्रावधान वित्तीय वर्ष 2017-18 एवं आगे के वर्षों में आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादियों पर लागू हो, जब तक कि इस संबंध में कोई अन्य आदेश पारित न किए जाते हों।
5. वामपंथी उग्रवादियों के समर्पण-सह-पुनर्वासन से संबंधित संकल्प ज्ञापांक-10228 दिनांक 28.11.2017 की अन्य कंडिकाएँ यथावत् रहेगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से  
अमित कुमार,  
सरकार के विशेष सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 638-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>